Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

कक्षा - 9

सामाजिक विज्ञान

भारत और समकालीन विश्व-1

अध्याय-3 : नात्सीवाद और हिटलर का उदय

अभ्यास प्रश्न

निर्मल सिंह

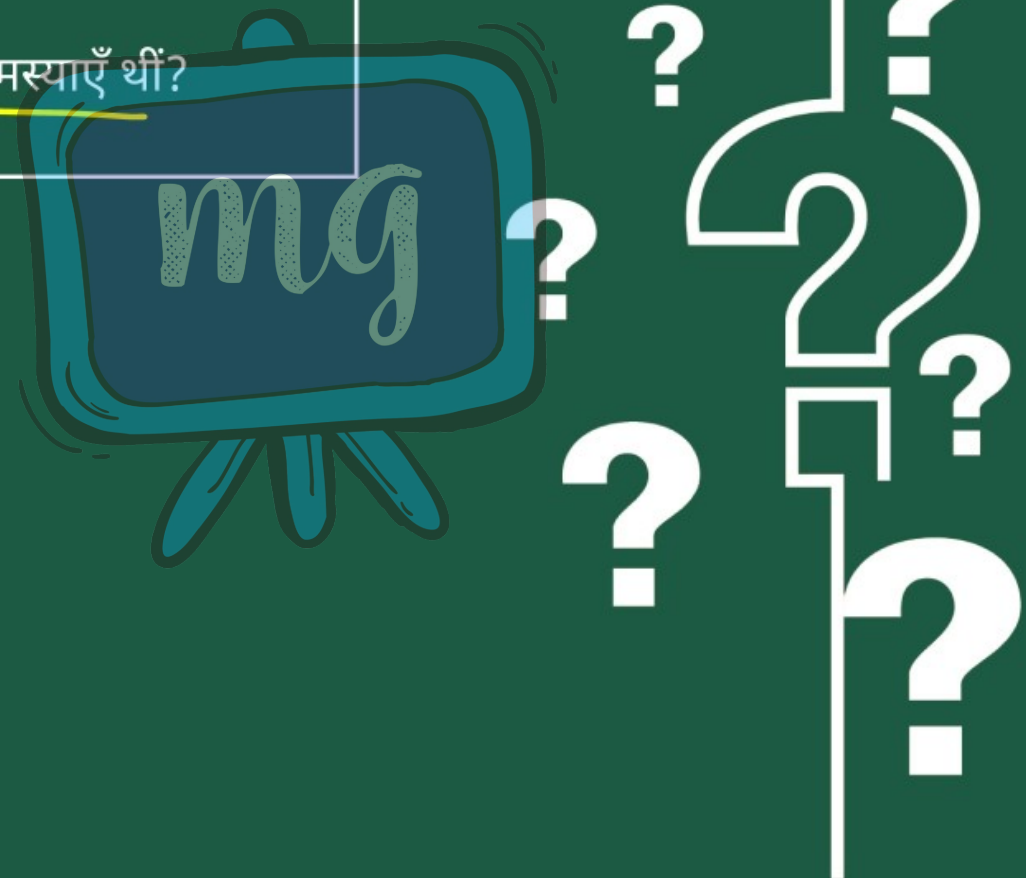


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1 | वाइमर गणराज्य के सामने क्या समस्याएँ थीं?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

1 वाइमर गणराज्य के सामने क्या समस्याएँ थीं?

उत्तर :

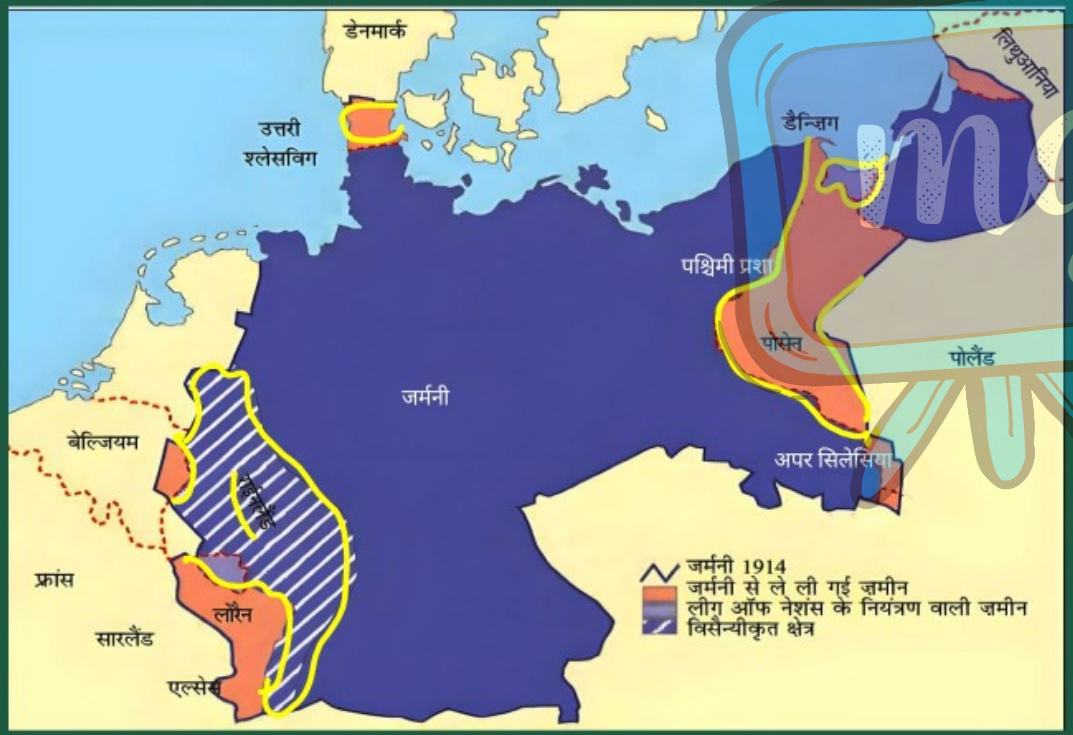


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

वर्साय की संधि के बाद जर्मनी



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

युद्ध अपराधबोध अनुच्छेद

युद्ध के कारण हुई सारी तबाही के लिए जर्मनी जिम्मेदार

छः अरब पौण्ड का जुर्माना

- मित्र राष्टों ने उसकी सेना भी भंग कर दी।
- खनिज संसाधनों वाले राईनलैंड पर भी बीस के दशक में ज़्यादातर मित्र राष्ट्रों का ही क़ब्जा रहा।

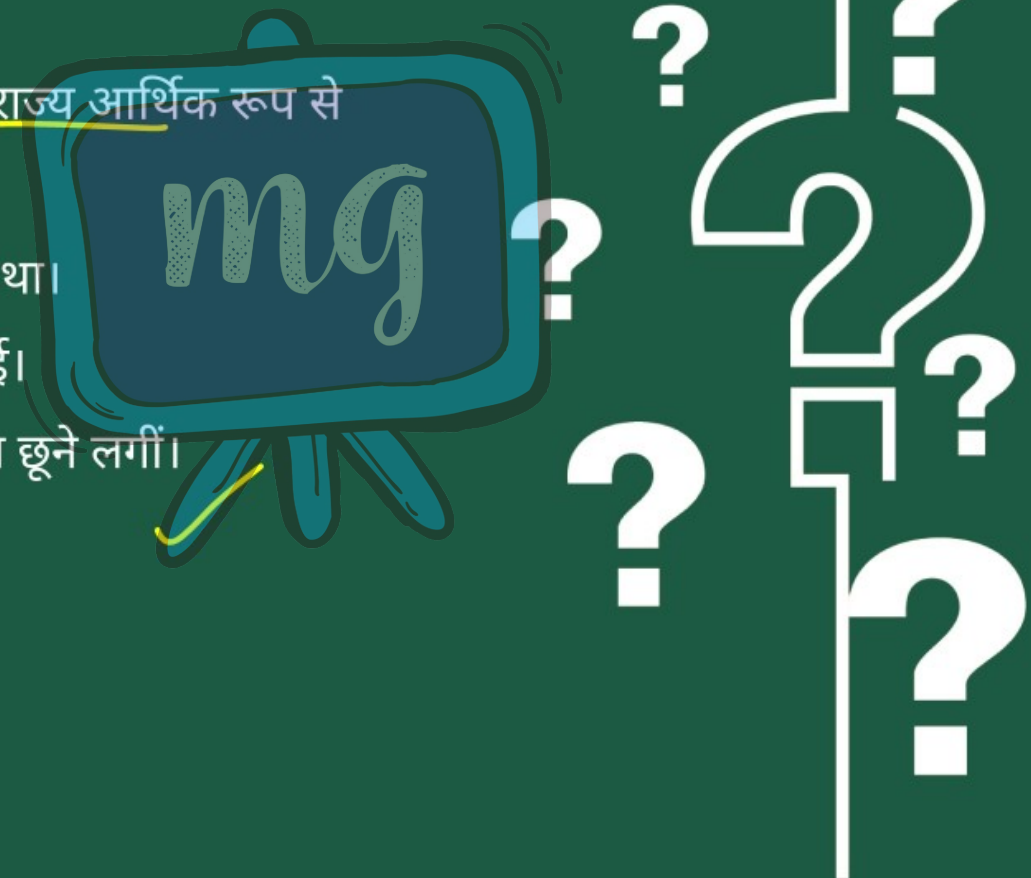
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

आर्थिक संकट

- युद्ध में डूबे हुए ऋणों के कारण जर्मन राज्य आर्थिक रूप से अपंग हो गया था।
- ऋणों का भुगतान सोने में किया जाना था।
- इसके बाद, सोने के भंडार में कमी आई।
- आवश्यक वस्तुओं की कीमतें आसमान छूने लगीं।



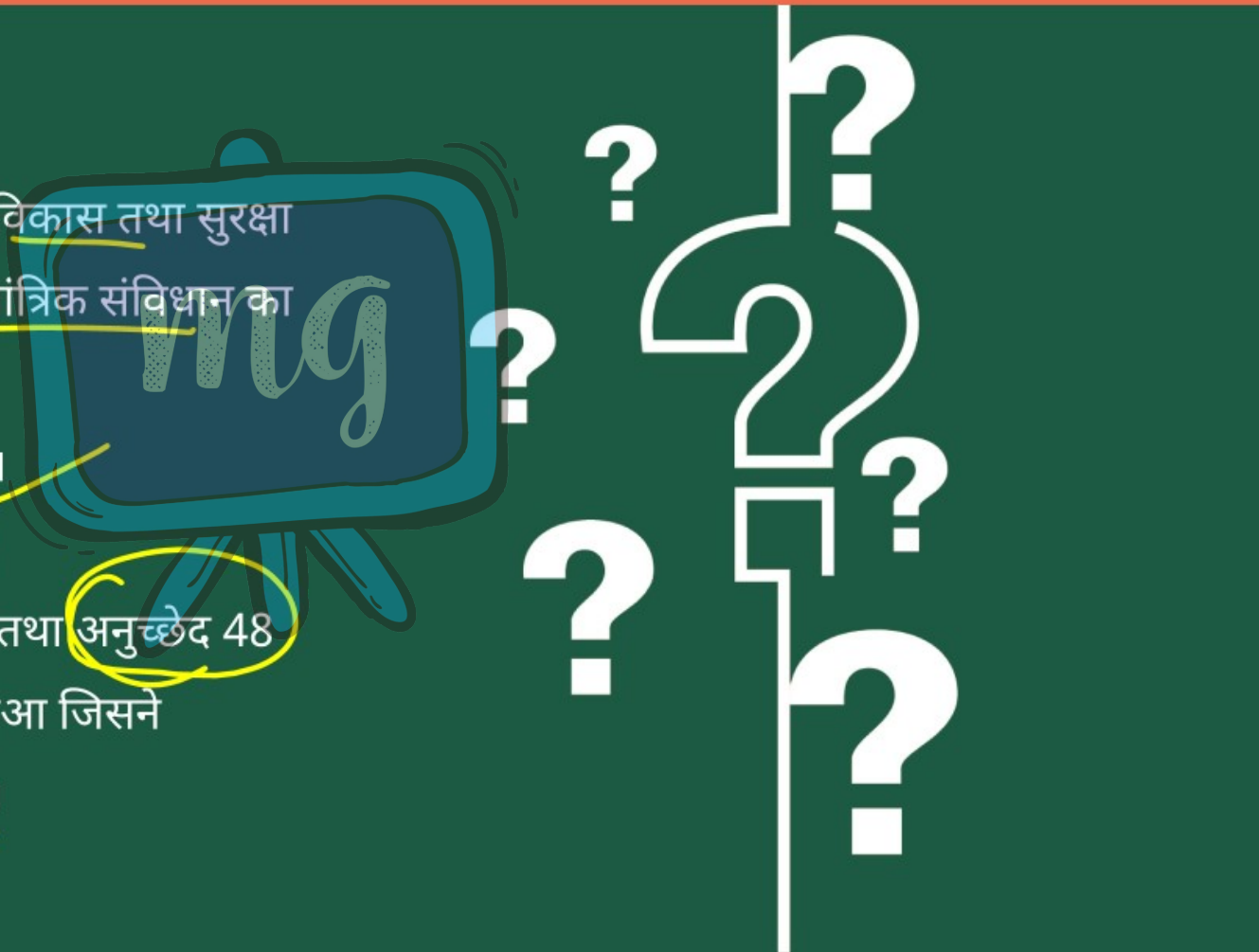
Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

राजनीतिक संकट

- राष्ट्रीय सभा द्वारा वाइमर गणराज्य को विकास तथा सुरक्षा के रास्ते पर लाने के लिए एक नये जनतांत्रिक संविधान का निर्माण किया गया।
- किन्तु यह अपने उद्देश्य में असफल रहा।
- संविधान में बहुत सारी कमजोरियाँ थीं।
- आनुपातिक प्रतिनिधित्व संबंधी नियमों तथा अनुच्छेद 48 के कारण एक राजनीतिक संकट पैदा हआ जिसने तानाशाही शासन का रास्ता खोल दिया।

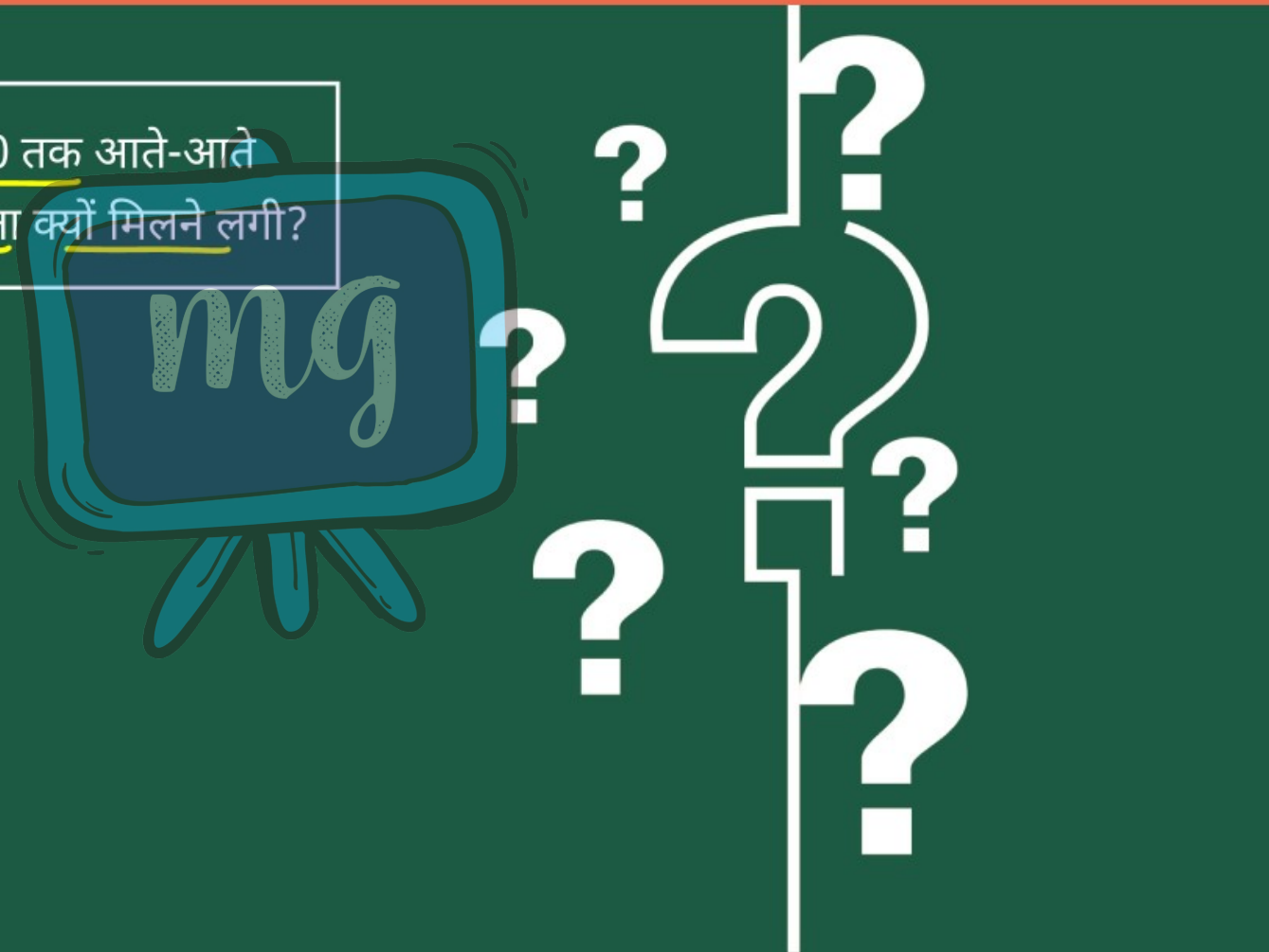


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 इस बारे में चर्चा कीजिए कि 1930 तक आते-आते जर्मनी में नात्सीवाद को लोकप्रियता क्यों मिलने लगी?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 इस बारे में चर्चा कीजिए कि 1930 तक आते-आते जर्मनी में नात्सीवाद को लोकप्रियता क्यों मिलने लगी?

उत्तर :

- महामंदी के दौर में वाइमर गणराज्य ने देश की आर्थिक गिरावट को कम करने के लिए कुछ नहीं किया।
- इसी समय नात्सियों ने अपने धुआँधार प्रचार के ज़रिए हिटलर को एक मसीहा, एक रक्षक, एक ऐसे व्यक्ति के रूप में पेश किया, जिसने मानो जनता को तबाही से उबारने के लिए ही अवतार लिया था।

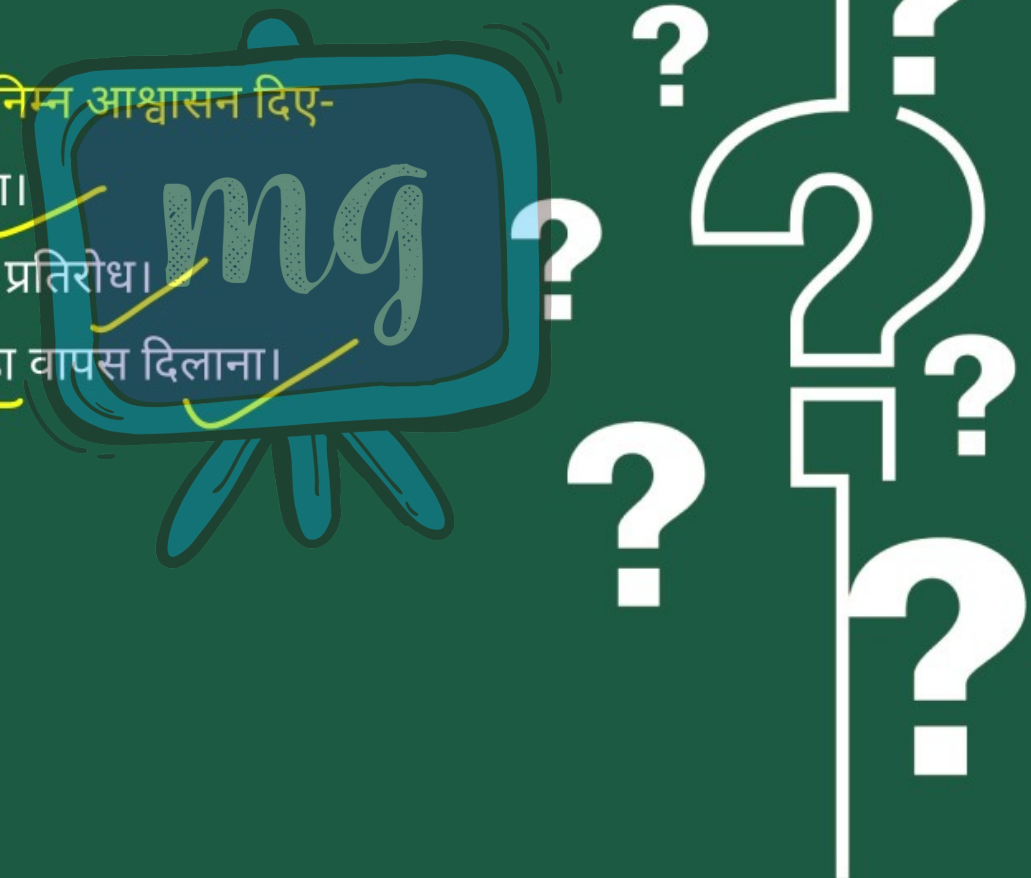


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- हिटलर ज़बर्दस्त वक्ता था।
- हिटलर ने अपने भाषणों में जनता को निम्न आश्वासन दिए-
  - एक शक्तिशाली राष्ट्र की स्थापना।
  - वर्साय संधि में हुई नाइंसाफ़ी का प्रतिरोध।
  - जर्मन समाज की खोई हुई प्रतिष्ठा वापस दिलाना।
  - बेरोज़गारों को रोज़गार।
  - नौजवानों को सुरक्षित भविष्य।
  - देश को विदेशी प्रभाव से मुक्ति।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

☛ नाजी प्रचार अद्वितीय था। स्वास्तिक छपे लाल झंडे, नात्सी सैल्यूट और भाषणों के बाद खास अंदाज़ में तालियों की गड़गड़ाहट ये सारी चीजें शक्ति प्रदर्शन का हिस्सा थीं।

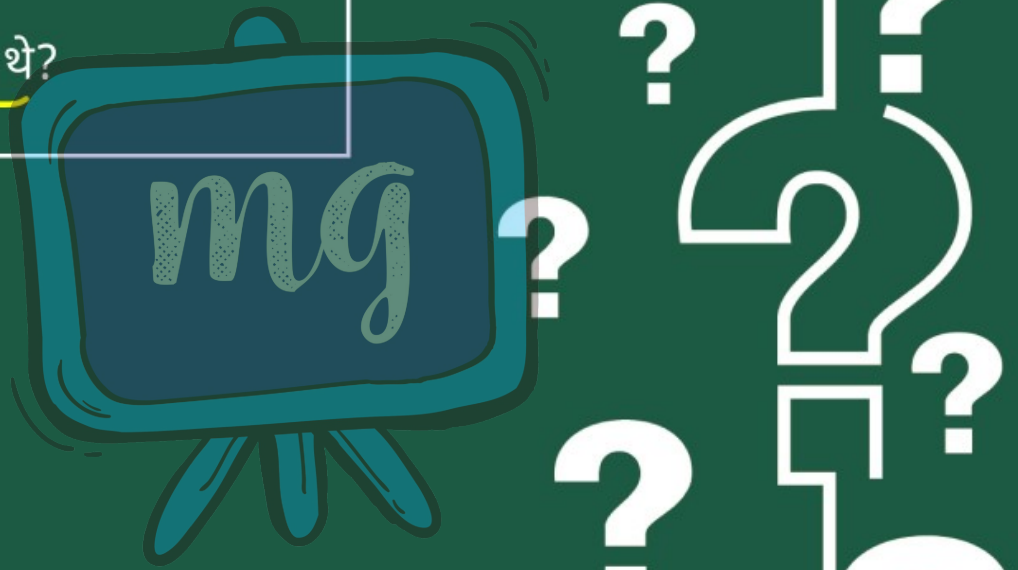


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3 | नात्सी सोच के खास पहलू कौन-से थे?



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

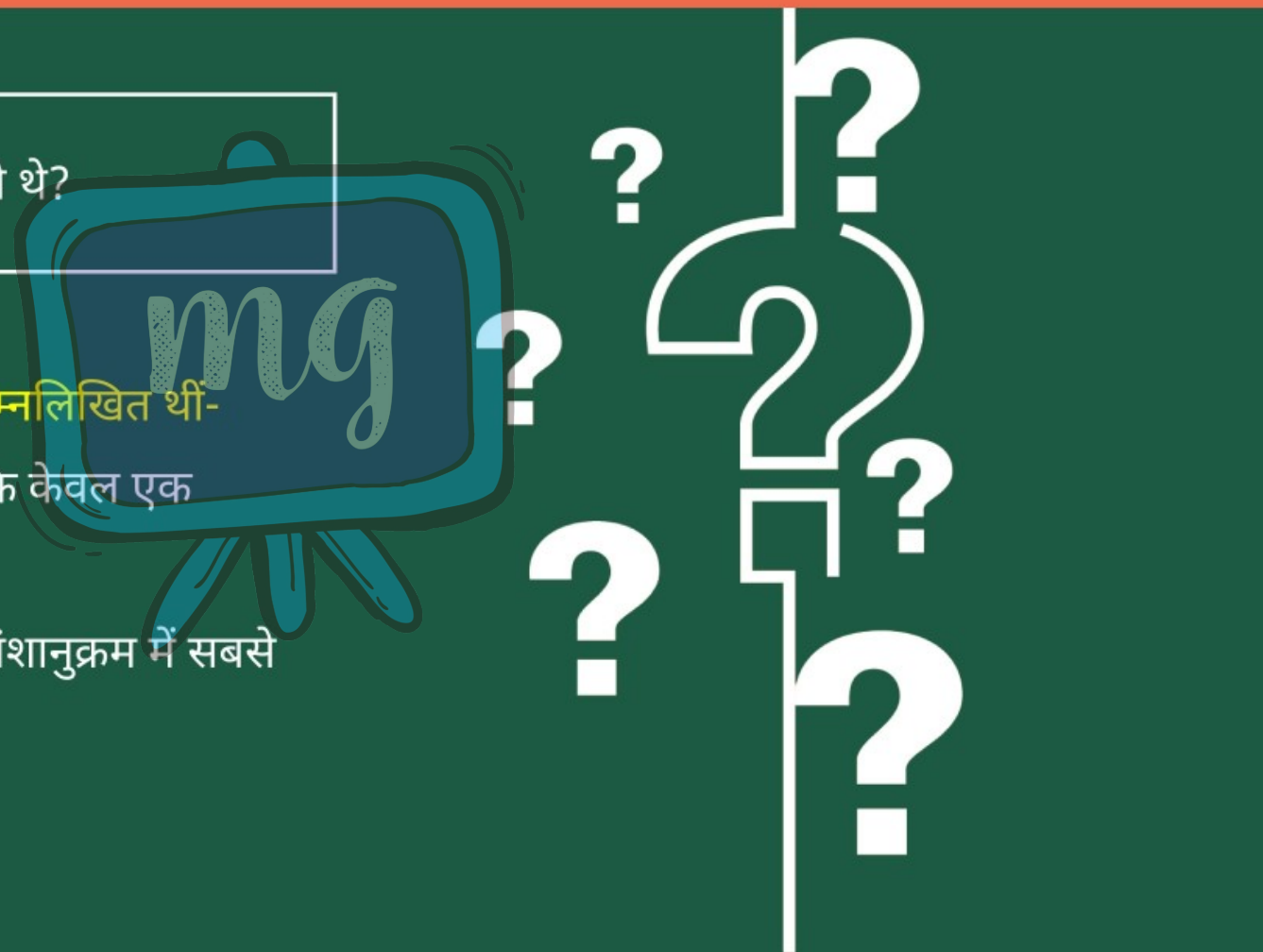
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

3 | नात्सी सोच के खास पहलू कौन-से थे?

उत्तर :

नात्सी विचारधारा की अनूठी विशेषतायें निम्नलिखित थीं-

- लोगों के बीच कोई समानता नहीं, बल्कि केवल एक प्रजातीय वंशानुक्रम है।
- नीली आँखों वाले नॉर्डिक जर्मन आर्य वंशानुक्रम में सबसे श्रेष्ठ तथा यहूदी लोग सबसे हीन हैं।

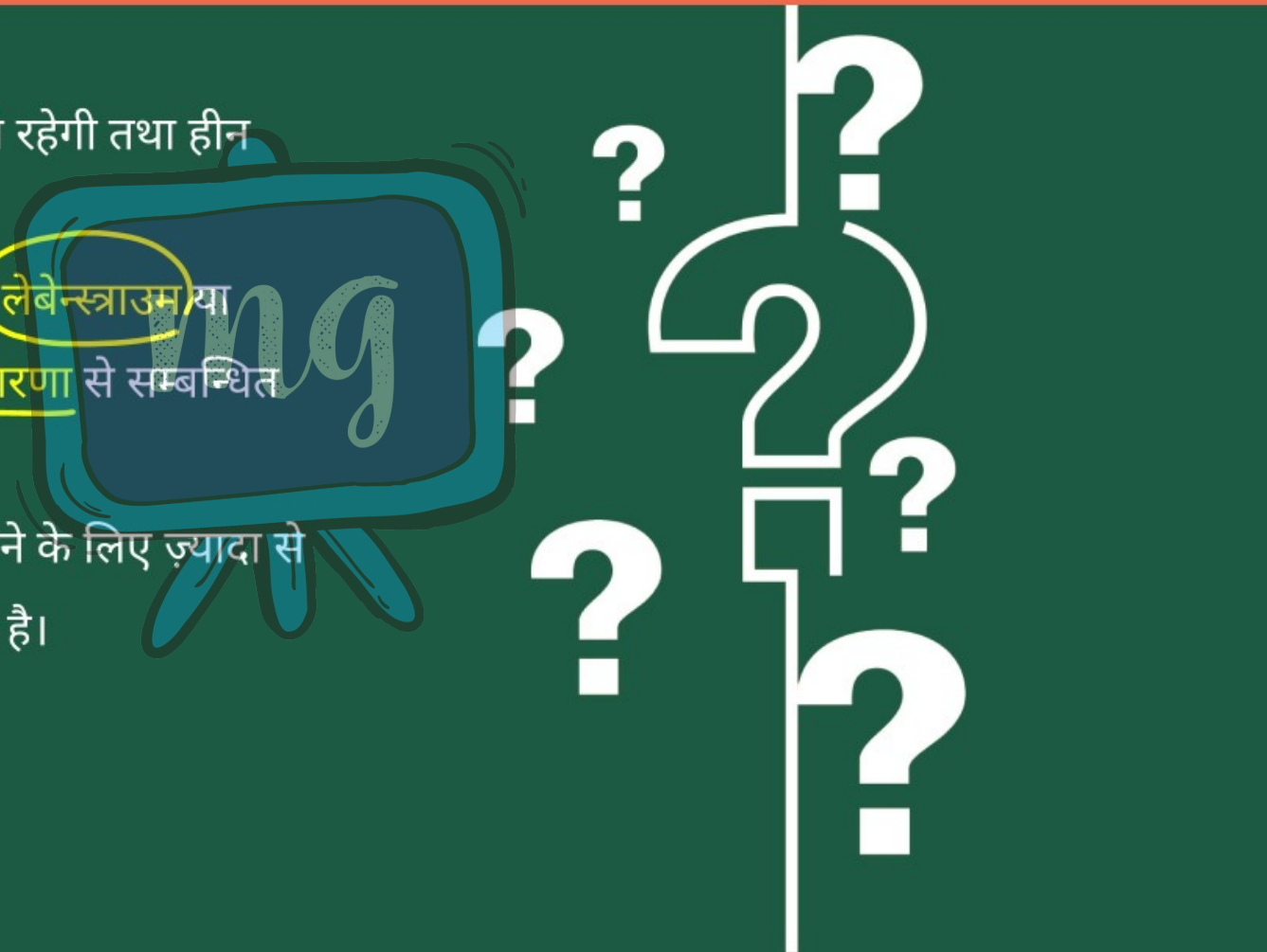


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नात्सियों का मानना था कि श्रेष्ठ प्रजाति रहेगी तथा हीन प्रजाति को नष्ट होना पड़ेगा।
- हिटलर की विचारधारा का दूसरा पहलू लेबेन्स्त्राउम या जीवन-परिधि की भू-राजनीतिक अवधारणा से सम्बन्धित था।
- वह मानता था कि अपने लोगों को बसाने के लिए ज़्यादा से ज़्यादा इलाकों पर कब्ज़ा करना जरूरी है।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4 नात्सियों का प्रोपैगेंडा यहूदियों के खिलाफ नफ़रत पैदा करने में इतना असरदार कैसे रहा?





Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

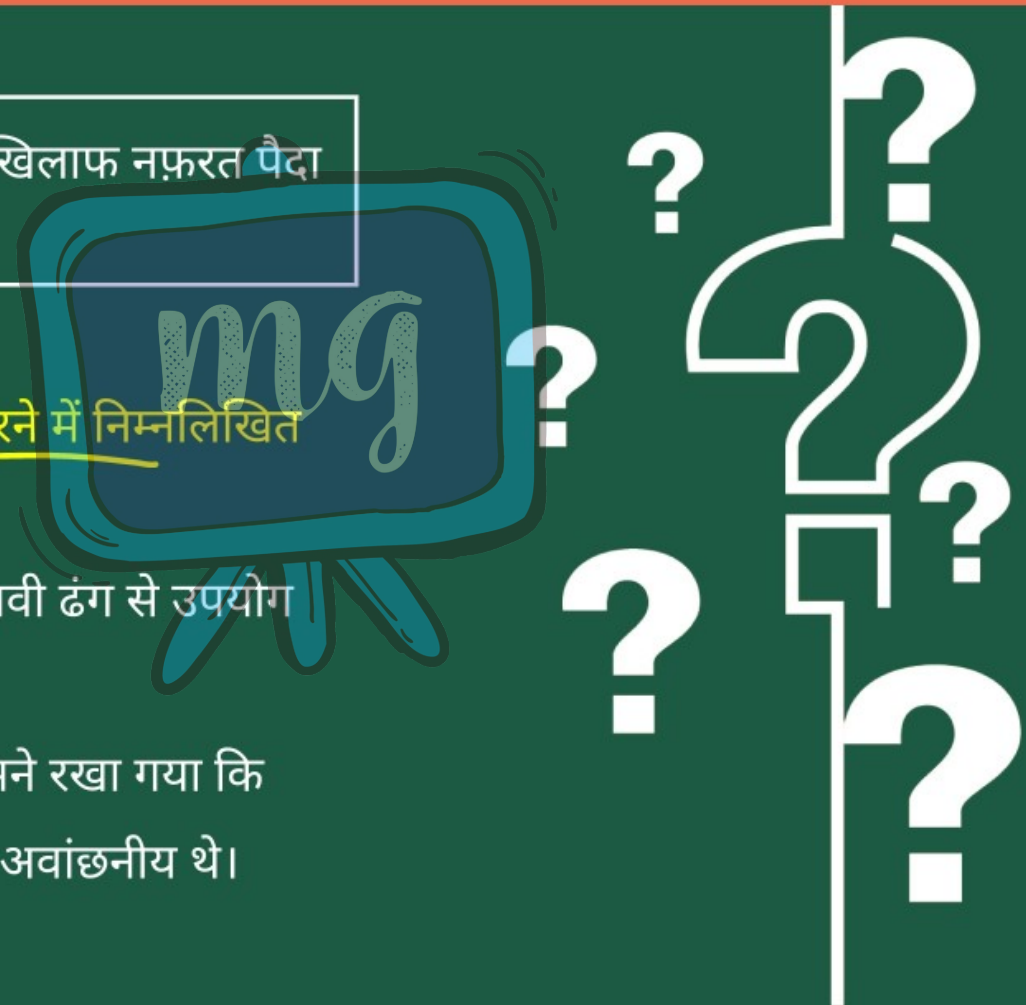
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

4 नात्सियों का प्रोपैगेंडा यहूदियों के खिलाफ नफ़रत पैदा करने में इतना असरदार कैसे रहा?

उत्तर :

नात्सियों का प्रोपैगेंडा के लिए घृणा पैदा करने में निम्नलिखित कारण कारगर थे –

- नात्सियों ने भाषा और मीडिया का प्रभावी ढंग से उपयोग किया।
- नात्सियों द्वारा यह नस्लीय सिद्धांत सामने रखा गया कि यहूदी निचली नस्ल के थे और इसलिए अवांछनीय थे।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



'वांछित' बच्चे जिनकी संख्या
हिटलर बढ़ाना चाहता था



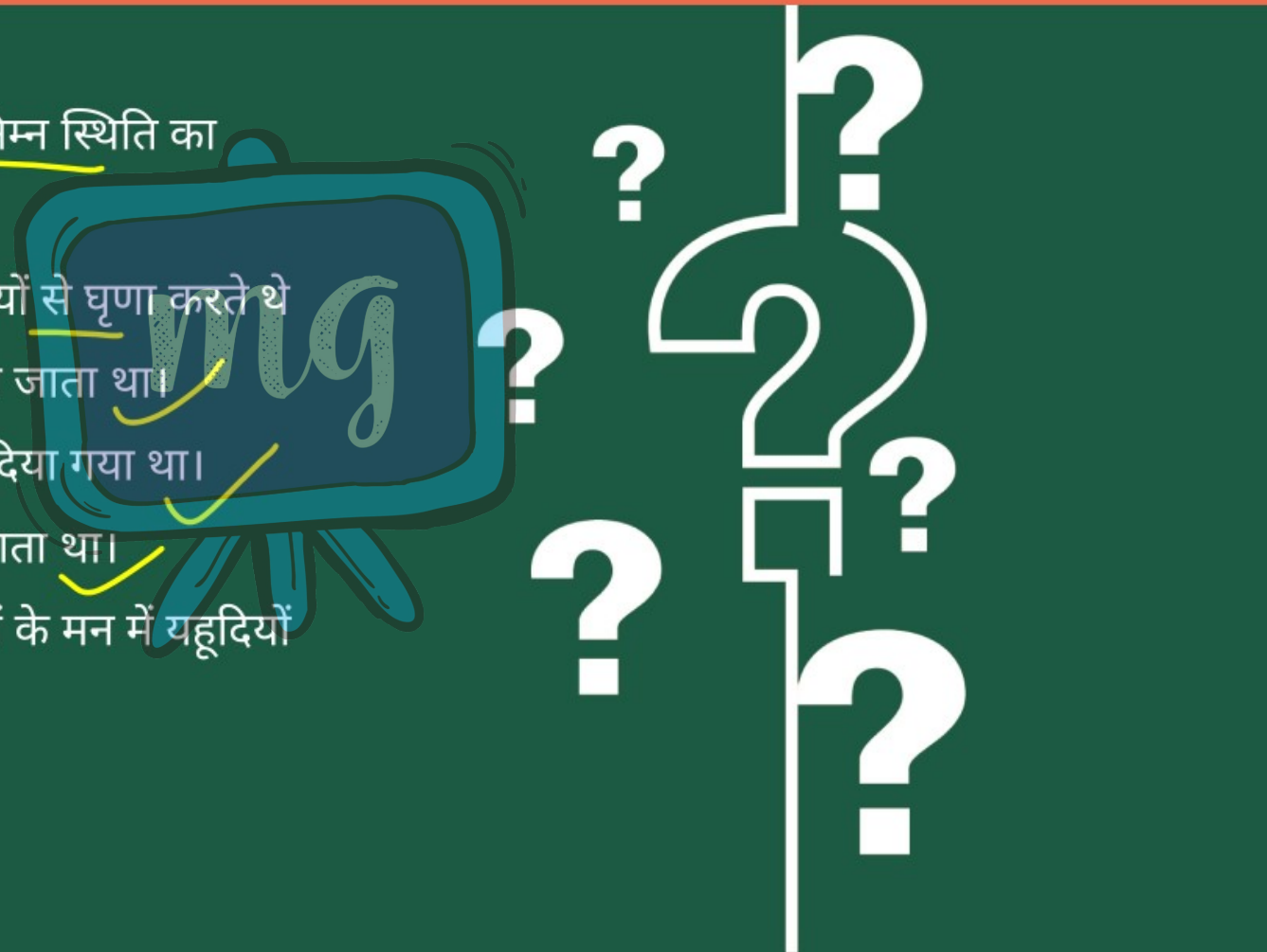


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नात्सियों ने मध्यकाल में यहूदियों की निम्न स्थिति का सफलतापूर्वक शोषण किया।
- क्योंकि परंपरागत रूप में ईसाई, यहूदियों से घृणा करते थे और यहूदियों को यीशु का हत्यारा माना जाता था।
- उन्हें जमीन खरीदने से प्रतिबंधित कर दिया गया था।
- उन्हें शोषक महाजन के रूप में देखा जाता था।
- नात्सियों ने स्कूली दिनों के दौरान बच्चों के मन में यहूदियों के खिलाफ नफरत पैदा की।

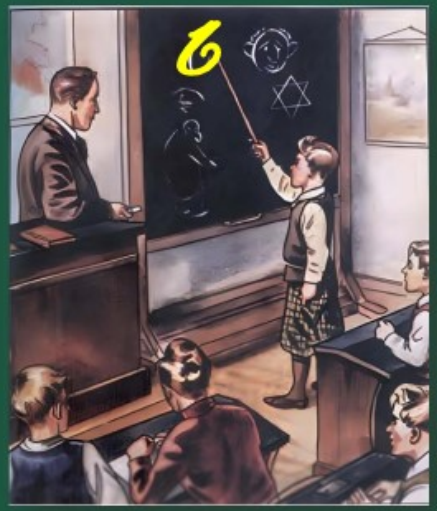


Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- जो शिक्षक यहूदी थे उन्हें बर्खास्त कर दिया गया।
- यहूदी बच्चों को स्कूलों से बाहर निकाल दिया गया।

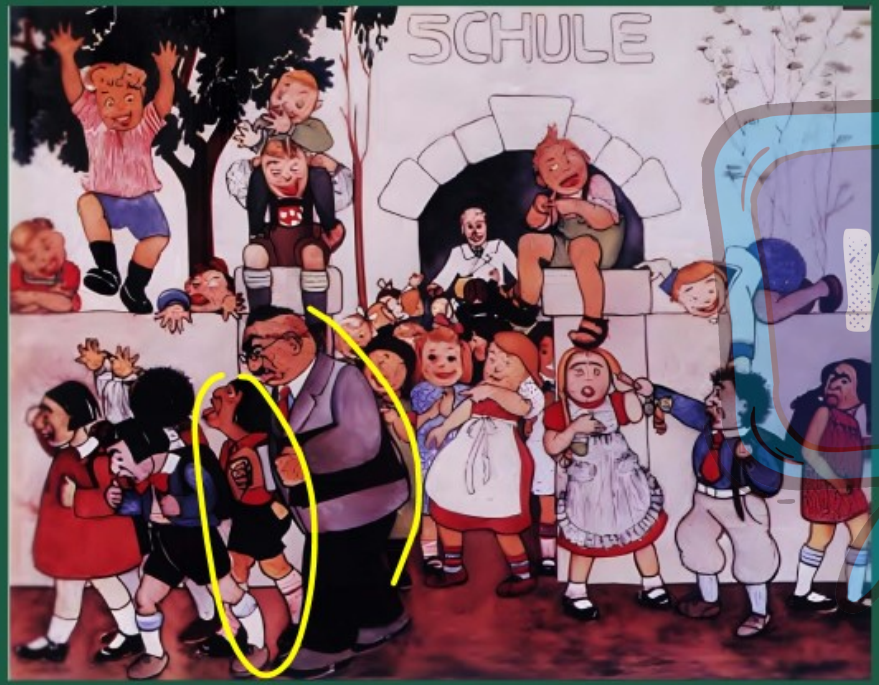


यहूदी-विरोधी विषयों की पढ़ाई को दर्शाता कक्षा का चित्र

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



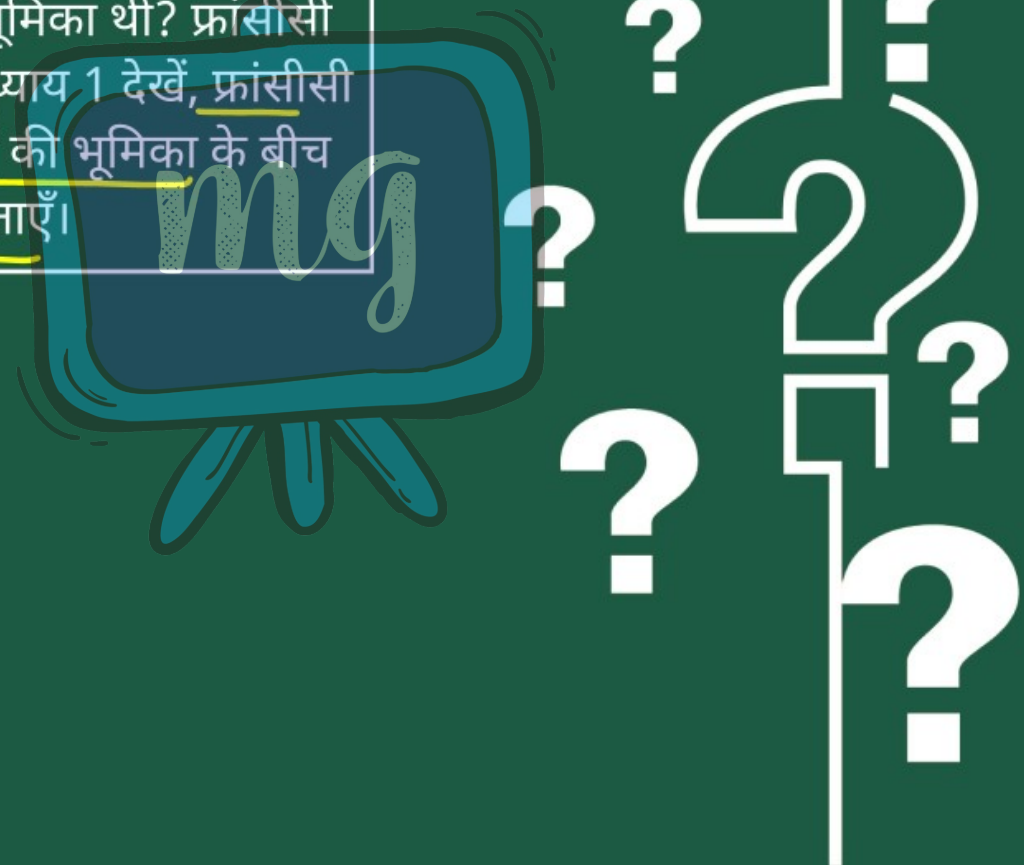
बाकी बच्चों की हँसी-ठिठोली के बीच यहूदी
शिक्षक और यहूदी विद्यार्थियों को स्कूल से निकाला जा रहा है

Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5 नात्सी समाज में औरतों की क्या भूमिका थी? फ्रांसीसी क्रांति के बारे में जानने के लिए अध्याय 1 देखें, फ्रांसीसी क्रांति और नात्सी शासन में औरतों की भूमिका के बीच क्या फर्क था? एक पैराग्राफ़ में बताएँ।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

5 नात्सी समाज में औरतों की क्या भूमिका थी? फ्रांसीसी क्रांति के बारे में जानने के लिए अध्याय 1 देखें, फ्रांसीसी क्रांति और नात्सी शासन में औरतों की भूमिका के बीच क्या फर्क था? एक पैराग्राफ़ में बताएँ।

उत्तर :

- नात्सी समाज में महिलाओं ने द्वितीयक स्तर की भूमिका अदा की।
- उन्हें आर्य संस्कृति का संवाहक माना जाता था।
- इस संहिता का उल्लंघन करने वाली महिलाओं को दंडित कर जेलों में कैद कर दिया जाता था।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- जो महिलाएँ इन आचार संहिताओं का पालन करती थीं उन्हें सम्मानित किया जाता था।
- गैर-जर्मन महिलाओं के आत्मसम्मान को ठेस पहुँचाई जाती थी।
- इसके उलट फ्रांसीसी क्रांति ने महिलाओं के जीवन में नई गतिविधियों का संचार किया।
- महिलाओं को काम में बराबर का साझीदार माना जाता था।
- वे कई प्रगतिशील गतिविधियों जैसे राजनीतिक क्लबों की सदस्यता में भाग ले सकती थीं।
- उन्होंने अपने लिए समान राजनीतिक अधिकारों की माँग की।
- 1946 में फ्रांसीसी महिलाओं को मत देने का अधिकार प्रदान कर दिया गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6 नात्सियों ने जनता पर पूरा नियंत्रण हासिल करने के लिए कौन-कौन से तरीके अपनाए?





Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

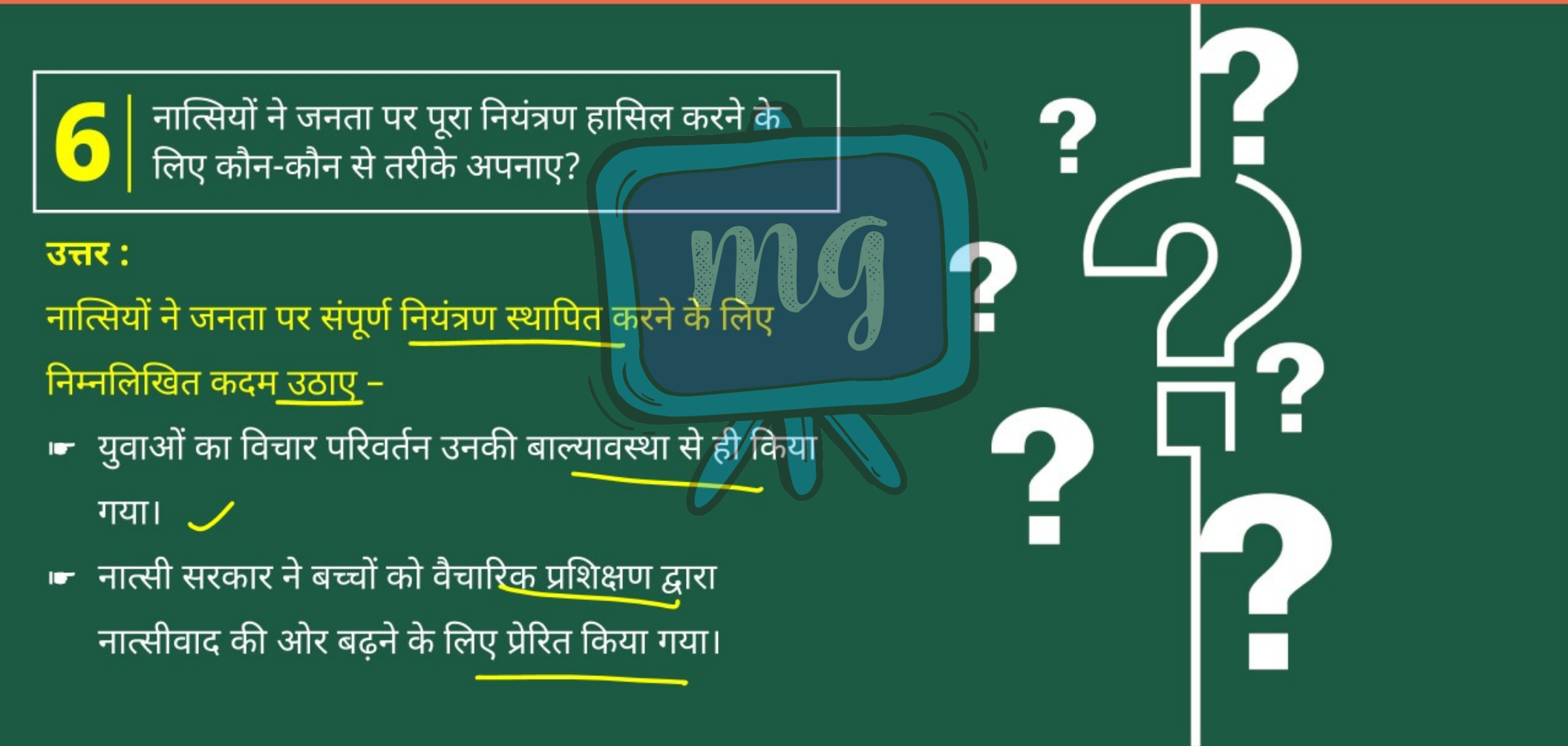
missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

6 नात्सियों ने जनता पर पूरा नियंत्रण हासिल करने के लिए कौन-कौन से तरीके अपनाए?

उत्तर :

नात्सियों ने जनता पर संपूर्ण नियंत्रण स्थापित करने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए –

- युवाओं का विचार परिवर्तन उनकी बाल्यावस्था से ही किया गया।
- नात्सी सरकार ने बच्चों को वैचारिक प्रशिक्षण द्वारा नात्सीवाद की ओर बढ़ने के लिए प्रेरित किया गया।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- नात्सी सरकार ने अपनी विचारधारा पर आधारित नए पाठ्यक्रम के अनुरूप पुस्तकें तैयार करवाई।
- उनसे कहा जाता था कि वे यहूदियों से घृणा तथा हिटलर की पूजा करें।
- उन सभी खेल गतिविधियों (खासकर बॉक्सिंग) को प्रोत्साहित किया गया जो बच्चों में हिंसा तथा आक्रामकता की भावना पैदा करती थीं।
- लड़कियों को शिक्षा दी जाती थी कि उन्हें अच्छी माँ बनना था तथा शुद्ध रक्त वाले आर्य बच्चों का लालन-पालन करना था।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

- महिलाओं के बीच उनके बच्चों के आधार पर भेदभाव किया जाता था।
- एक अनुपयुक्त बच्चे की माँ होने पर महिलाओं को दंडित किया जाता था तथा जेल में कैद कर दिया जाता था।
- बच्चे के शुद्ध आर्य प्रजाति का होने पर महिलाओं को सम्मानित किया जाता था।
- आर्य प्रजाति के लोगों के लिए आर्थिक अवसरों की भरमार थी।



Under CSR Support by
ipca | Foundation

अभ्यास प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER

- उन्हें रोजगार दिया जाता था, उनके व्यापार को सुरक्षा दी जाती थी तथा सरकार की तरफ से उन्हें हर संभव सहायता दी जाती थी।
- जनता पर पूर्ण नियंत्रण स्थापित करने में नात्सियों द्वारा विशेष पूर्वनियोजित प्रचार का सर्वाधिक योगदान था।

